हज-2027 की नई नीति : हिंदी, उर्दू सहित क्षेत्रीय भाषाओं में 24 घंटे मिलेगी मदद

मुकद्दस सफर की राह होगी आसान, एआइ बताएगा हर कदम पर रास्ता

20 तक भरे जाएंगे ऑनलाइन आवेदन

भारतीय यात्रियों का कोटा बढ़ाने के भी प्रयास जारी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. उम्र के आखिरी पड़ाव पर जब शरीर साथ छोड़ना शुरू कर देता है, तब भी दिल में 'काबा' के दीदार की हसरत उतनी ही जवान रहती है। हज पर जाने की तमन्ना रखने वाले प्रदेश के हजारों बुजुर्गों के लिए इस बार एक बेहद सुकून भरी खबर आई है।

हज-2027 की नई नीति के तहत इस बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) आधारित सेवाओं को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा, जिससे आवेदन प्रक्रिया, दस्तावेजों का सत्यापन, शिकायत निवारण और यात्रा प्रबंधन पहले से अधिक आसान और पारदर्शी होगा।

सरकार ने भारतीय हज यात्रियों का कोटा बढ़ाने के भी प्रयास करने की बात कही है। इस मुकद्दस सफर के लिए ऑनलाइन आवेदन 20 जुलाई की रात 11:59 बजे तक किए जा सकेंगे।

हज-2026 की समीक्षा के बाद किए कई सुधार

135 यात्रियों पर एक स्टेट हज इंस्पेक्टर की तैनाती होगी

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य एवं संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने हाल ही हज नीति-2027 जारी करते हुए कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रत्येक हज यात्री को सुरक्षित तथा सम्मान-सुविधाजनक यात्रा कराना है। पिछले वर्ष हज-2026 के अनुभवों की समीक्षा के बाद इस बार कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं।

डिजिटल गाइड (एआइ करेगा मार्गदर्शन)

हज-2027 में प्रस्तावित कन्वर्सेशनल एआइ हिंदी, उर्दू सहित कई क्षेत्रीय भाषाओं में 24 घंटे सहायता उपलब्ध कराएगा। आवेदन भरने, दस्तावेज सत्यापन, भुगतान, उड़ान, आवास, सामान, शिकायत दर्ज कराने और आपातकालीन सहायता जैसी जानकारी वॉइस या टेक्स्ट के माध्यम से प्राप्त कर सकेंगे। इससे पहली बार जाने वाले, बुजुर्ग यात्रियों को विशेष सुविधा मिलेगी। बिचौलियों पर निर्भरता घटेगी।

'लब्बैतुम अवॉर्ड'

हज-2026 में भारतीय हज मिशन को सऊदी के हज-उमराह मंत्रालय की ओर से पहली बार 'लब्बैतुम अवॉर्ड' मिलने के बाद इस बार यात्रा में तकनीक और बेहतर व्यवस्थाओं पर विशेष जोर दिया गया है।

नीति की प्रमुख बातें

20 दिवसीय शॉर्ट हज पैकेज जारी रहेगा। कोलकाता नया एंबार्केशन प्वाइंट। मेडिकल जांच सऊदी अरब के स्वास्थ्य मानकों के अनुरूप। भविष्य में भारतीय प्रणाली को सऊदी के नुसुक प्लेटफॉर्म से भी जोड़ा जाएगा।